

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफतार

वर्ष: 09 अंक: 294

■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19

जयपुर, रविवार 24 नवम्बर, 2024

■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org

X twitter.com/JaipurTimes2

f facebook.com/dainikjaipurtimes

y youtube.com/c/JaipurTimes

i instagram.com/jaipurtimesjt

राजस्थान उपचुनाव

भजनलाल सरकार के विकास कार्यों पर जनता ने लगाई मोहर

पांच सीटों पर भाजपा जीती, संख्या 119 हुई दौसा में किरोड़ी, खीवसर में बेनीवाल को झटका

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तमाम तरह की आशकाओं को दूर करते हुए इतिहास रच दिया है। शनिवार को जारी हुए सात विधानसभा सीटों के परिणाम में भाजपा ने पांच सीटों पर फतह हासिल की है। यह जीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोकप्रियता और सरकार के कामकाज पर मोहर के रूप में मिली है। भजनलाल शर्मा ने चुनाव प्रचार में रणनीति बनाने से लेकर, बृथ मैनेजमेंट, प्रत्याशी चयन, दौरे से लेकर सभी प्लानिंग की कमान अपने पास रखी। इसका नतीजा बड़ा सार्थक रहा और पांच सीटों पर जीत मिली है। बता दें कि इस उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी ने जीत का दंभ भर रखा था और भाजपा की पांची की सरकार बताकर खिलौं उड़ाई जा रही थी मगर अब आने नतीजों ने कांग्रेस की सारी हवा और हंकड़ी निकाल दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल की साजड़ता, मिलनसारिया, ब्राह्मचार पर कार्रवाई, अमाजन की जल सुनवाई, विकास का ट्रेलर और लोक कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने की सोच के चलते अमाजन से भजनलाल के प्रति विश्वास बढ़ा। काविले गौर है कि राजस्थान विधानसभा में बीजेपी विधायिकों की संख्या बढ़कर 119 हो गई है। उपचुनाव में बीजेपी पांच सीटें जीत गई हैं। इनमें सलवार, खीवसर, झुंझुनू, देवली-उन्नीया, और रामगढ़ सीट मिल हैं। झुंझुनू में बीजेपी की जीत इस यात्रे में भी अस्त है।

क्वाकि बीजेपी यहां दशकों से चुनाव नहीं जीती थी। बीजेपी ने अखिरी बार साल 2003 में यह सीट जीती थी। इसके बाद से यह सीट कांग्रेस के टिकट पर बूजेंद्र ओला जीते रहे। इसलिए यह यह सीट कांग्रेस और ओला परिवार का गढ़ मानी जाती थी।

अब बीजेपी के राजेंद्र भांवू ने बूजेंद्र ओला के पुत्र और कांग्रेस प्रत्याशी अमित ओला को 42,828 वोटों के बड़े अंतर से चुनाव हरा दिया है।

खास बात यह है कि 2023 के विधानसभा चुनावों में भी राजेंद्र भांवू ने यह बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था और उस चुनाव में भांवू को कुल 42,407 वोट मिले थे। यानी भांवू को 2,023 में जितने वोटों के अंतर से उन्होंने उपचुनाव में जीत दर्ज की है।

खींचवार में कांग्रेस-बीजेपी के मेलजोल में फंस गए हनुमान

खींचवार के नीजे भी चौकोंके बाले रहे हैं। हनुमान बेनीवाल की पांची कनिका मानी जा रही है कि कांग्रेस के कुछ विधायिकों ने यहां हनुमान को हवायाने के लिए बीजेपी में वोट शिफ्ट करवाए हैं। साल 2023 में रेतराम को खींचवार में करीब 77 हजार वोट शिफ्ट करवाए हैं। इस बार उन्होंने एक लाख अठ हजार 628 वोट लिए हैं। यानी उन्होंने चुनावों के मुकाबले उन्होंने करीब 41 हजार से ज्यादा वोट लिए। वर्ती, उन्होंने निकटस्थ प्रतिद्वंदी कनिका बेनीवाल को 92,727 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी रत्न चौधरी की यहां जमानत जब हो गई, उन्हें सिर्फ 5,454 वोट मिले हैं।

टेवली-उन्नीया में बीजेपी को फायदा, कांग्रेस पर पड़े भारी नरेश

टेवली-उन्नीया सीट भी बीजेपी ने कांग्रेस से छीन ली है। यहां बीजेपी के राजेंद्र राजेर 41,121 वोटों के अंतर से चुनाव जीते हैं। इसकी बड़ी वजह हासिल कर्तव्य कांग्रेस के आरोपी निर्वाचिय प्रत्याशी नेश मीणा रहे। थपथप कांग्रेस के बाद पूरे उन्नीया में नेश को लेकर मीण बोटों का कांसेलिंग देशन हो गया। इससे कांग्रेस के केसी मीण नतीजों में तीसरे नंबर पर आ गए। नरेश 59,478 वोट लेकर दूसरे नंबर पर रहे।

सलूंबर में आखिरी राउंड में हारी बीणी

सबसे रोचक मुकाबला सलूंबर सीट पर देखने को मिला। यहां 21 राउंड तक बीणीपी आगे चल रही थी। लोकन आखिरी राउंड में बाजी पलट गई और बीजेपी की शांत अमुतलाल मीणा 1,285 वोटों के अंतर से चुनाव जीत गई। सलूंबर एक मत्रावाली भी, जो उपचुनाव से पहले बीजेपी का कांसेलिंग देशन हो गया। इससे कांग्रेस के केसी मीण नतीजों में तीसरे नंबर पर आ गए। नरेश 59,478 वोट लेकर दूसरे नंबर पर रहे।

देवली-उन्नीया में बीजेपी को फायदा, कांग्रेस पर पड़े भारी नरेश

देवली-उन्नीया सीट भी बीजेपी ने कांग्रेस के लिए बैरेटा के पक्ष में बीजेपी के कैविनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा द्वारा उपचुनाव हार गए। हारने के साथ ही जगमोहन ने बयान दिया, जब अपने ही बेवाल हो जाएं तो कोई क्वाकि करे। बीड़ी बैरेटा ने 2,300 वोटों के अंतर से जगमोहन को चुनाव हारा दिया।

रामगढ़ में भी दिल्ली काटे की टक्कर, बीजेपी के सुखवंत जीते

रामगढ़ सीट पर भी बार-बार समीकरण बदलते रहे। शुरुआत में कांग्रेस के अर्थन जूबर 10 हजार वोटों तक की लीड ले गए थे। इसके बाद बीजेपी के सुखवंत ने बापसी की और राउंड प्रूफ होते-होते सुखवंत ने 13,614 वोटों से मुकाबला जीत दिया।

भाजपा की प्रचंड जीत से विकास पर लगी मोहर: भजनलाल

कांग्रेस की झूठ और भ्रम की राजनीति को वोट से मिला जवाब



जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान में 7 सीटों पर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत को ऐतिहासिक बताते हुए प्रमत्रता व्यक्त की है। शर्मा ने कहा कि इस जीत से देश के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी की नीतियों और हमारी सरकार के विकास कार्यों पर अपनी मोहर लगायी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत भाजपा के कर्मकाल कार्यक्रमों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजस्थान उपचुनावों में भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में प्रदेश में हुए विकास कार्यों को मतदाताओं तक पहुंचाने का प्रयास किया। इसी के परिणाम है कि इस उपचुनाव में भाजपा को 2023 के विधानसभा चुनावों में मिले बोटों से 15 प्रतिशत अधिक वोट प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी, पर्वत दीनदयाल उपराज्य के संकालन के अनुसार समाज के अन्तिम व्यक्ति तक योगदान का लाभ पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। जबकि कांग्रेस व अन्य दल चुनावों में झूट और भ्रम फैलाते हैं। ऐसी राजनीति को जनता ने आगे बाट से ज्यादा दिया है। शर्मा ने कहा कि हम राजस्थान के विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। और इस ऐतिहासिक जीत ने हमारे इस इरादे को और भी मजबूत किया है।

महाराष्ट्र, झारखंड में भी भाजपा बेहतर

13 राज्यों के 48 विधानसभा उपचुनावों में भाजपा का निकली हाजिरी

भाजपा का डंका, कांग्रेस की निकली हवा

जयपुर टाइम्स

सतीश के काम से भाजपा का शीर्ष नेतृत्व गदगद

□ डॉ. सतीश पूनिया ने डरियाणा का माझाको मैनेजमेंट राजस्थान में अपनाया, चार सीटों पर काम आया

□ भाजपा की जीत में पूनिया की रणनीति की रही अहम मूलिका

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। सतीश पूनिया वर्तमान समय की रणनीति में एक विनेट बनकर उभरे हैं। न केवल उन्होंने हरियाणा में सरकार रिपीट करा दी, बल्कि तारी हुई सीधी बाजी पटकर उठाई है। उन्होंने इस दौरान माझको मैनेजमेंट अपनाया। वहां सफलता मिली तो पूनिया को आधार हो गया कि इस बार राजस्थान में भी इसका अपनाया जाए। पूनिया ने यही किया तो नीतीय सबक का समान है, चार सीटों पर उपचुनाव में प्रथम पूर्ण विधायिका बनाया। उन्होंने बार-बार समीकरण बदलते रहे। शुरुआत में कांग्रेस के अर्थन जूबर 10 हजार वोटों तक की लीड ले गए थे। इसके बाद बीजेपी के सुखवंत ने बापसी को जीत मिली थी। अंत में जूबर 4 महीने तक हरियाणा प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने माझको मैनेजमेंट के जरिए चुनाव प्रबंधन से लेकर संस्थान की मजबूती के लिए रणनीति पर काम किया, जहां भाजपा की ओर भारतीय जनता पार्टी की विजय हुई। उन्होंने बापसी की विजय की दृष्टि से अपना जीत दर्ज की है।



आइना दिखा दिया है। भाजपा की इस सफलता ने यह सातीश कर दिया है कि जनता को विकास, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर धरोपाल की जीत है। बता दें कि भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया भाजपा के केंद्रीय न

एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर : सुष्मिता सेन

को अमल में लाने की ताकत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। बता दें कि सुष्मिता सेन को अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित वेव सीरीज आयी में उनके दमदार अभिनय के लिए खूब सराहना मिली। इसके अलावा, उन्होंने बायोप्रॉफिल ड्रामा ताली-बजाऊँगी नहीं, बजाऊँगी में ड्रॉसजॉडर एविटिवर्स श्रीगौरी सावत की भूमिका निभाई। यह सीरीज मुबई की ड्रॉसजॉडर एविटिवर्स के सध्य और उनके जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को दर्शाती है।

</div

